अशक्यसमुच्छेद 6.
अशङ्कम् 1.
अशठधी 6.
अशतवर्ष 1.
अशन् 1. 5.
2. अशन 1. 3.
अशनि 1. etwa *Hagelkorn* Kauç. 38,8.
अशनीश 1.
अशनैस् 5.
अशयान 1.
अशय्य Adj. *kein Lager habend;* m. Bez. *bestimmter Einsiedler* R. ed. Bomb. 2,6,3.
अशरण्य 1. 1. 5.
अशरमय 4.
अशर्कर Adj. (f. आ) *ohne Gries, — Steinchen* R. ed. Bomb. 3,73,11.
अशस्तस्मृतिकेतु, अशस्तार्थ und अशस्तार्थान्तर 6.
3.*अशस्त्र n. Instr. *ohne Anwendung von Waffen* Mahâvj. 182.
अशस्त्रवध 6.
अशस्त्रवध्य Adj. *durch keine Waffe zu tödten.* Nom. abstr. °ता f. R. ed. Bomb. 4,66,27.
अशा 3. 4.
अशाखाज 3.
अशान्त 1. 1.
अशान्तिकृत् und अशास्त्रविद्वंस् 2.
अशास्य und अशिक्षित 1. 5.
अशितव्य 1. 1.
अशित्र 1. 5.
अशिथिर 1.
अशिथिलव 6.
अशिमिद्विष् 5 zu streichen.
अशिरस् 1. 5.
अशिरःस्नान, अशिरोग्रीव, अशिल und अशिल्पजीविन् 1.
अशिशिररश्मि und अशिश्निदु 3.
अशिष्टागतमार्ग und अशिष्यत्व 6.
2. अशीत 1. °म् Adv. *heiss* (aufseufzen) R. ed. Bomb. 3,61,28.
अशीतकर, अशीतमरीचि und अशीतरुच् 1. 5.
अशीति 1. 1.
अशीतिकापर und अशीतिपञ्चक (vgl. MBu. 7,192,64. 193,43) 2.
अशीतिसाहस्र 3.
अशीत्यक्षर, °त्व und अशीर्णाय 1.

अशुचिवर्ण 6.
अशुद्ध 1. 5.
अशुद्धप्रकृति 6.
अशुध्यमान 5.
अशुभ 1. 5.
अशुभचित्तक 1.
*अशुभभावना f. *fromme Betrachtungen über das Unerfreuliche des Lebens* Mahâvj. 52 in der Unterschr.
अशुभलक्षण Adj. (f. आ) *mit ungünstigen Merkmalen* Har. zu Âpast. Gṛhj. 3,11.
अशुभात्मक 6.
अशून्यार्थ 1.
अशृण्य 6.
अशेषस् 1. 3.
अशैक्ष 1. *Auch *ein best.* Nirvâṇa Mahâvj. 95.
अशैथिल्य 6.
अशैवल Adj. (f. आ) *ohne Blyxa octandra* R. ed. Bomb. 3,73,11.
अशोक 1. 6.
अशोकवर्ण 1.
अशोकश्री 2.
अशोकाख्य 1.
अशोकी 2.
अशोच्य und °ता 1. 6.
अशोफयुत 3.
अशौल्क्य 6.
अशौच 1. 6.
अशौचक 1. 6.
अशौचिन् 6.
अश्मगर्भमय Adj. *smaragden* Dharmaçarmâbhj. 5,47.
अश्मजतु 1.
अश्मयोक्त (?) *eine best. Pflanze* Kauç. 8,15.
अश्मवर्षवत् Adj. *Steine regnend* R. ed. Bomb. 3,22,24.
अश्मशानचित् 1. 6.
*अश्रद्ध n. *Unglaube* Mahâvj. 104.
अश्राद्ध 1. 5.
*अश्रामण्य n. *Mangel an Ehrfurcht vor Çramaṇa* Mahâvj. 127.
अश्रावयत् 1.
अश्रि 1. 3.
अश्रीवी 3.
अश्रुत 1. 1.
अश्रुति 1. 6.
अश्रुतिविरोधिन् und अश्रुतीपथ 6.

अश्रुनेत्र 3.
अश्रुपात 1. 2) vgl. Açvav. 2,8.15,13.
अश्रुमय 1.
अश्रुलेश und अश्रुवदन 5.
अश्रूयमाण 1.
अश्रोतर् 1. 1.
अश्रोत्रिय 1. 5.
अश्लक्ष्ण Adj. (f. आ) *keine zarte Haut habend* Har. zu Âpast. Gṛhj. 3,11.
अश्लिष्ट 6.
अश्लेषा 1. 5.
अश्वक 1. *Rösslein* (als Kinderspielzeug) Gâtakam. 9,70. *N. pr. eines Mönchs, = अश्वजित् Mahâvj. 281.
*अश्वकाय m. *Cavallerie* Mahâvj. 183.
अश्वकुणप 2.
अश्वक्रान्त und अश्वक्रीत 1.
अश्वगोष्ठ 2.
अश्वतीर्थक 1.
अश्वत्थ 1. 1.
अश्वत्थशाखा f. *ein Ast der Ficus religiosa* Maitr. S. 2,6,6 (66,15).
*अश्वदाय Adj. *ein Pferd zu schenken im Sinne habend* Kâç. zu P. 3,3,12.
अश्वपद् 1.
अश्वपरशु (Accent!) m. *Pferderippe* Maitr. S. 4,1,2 (2,14).
अश्वपादातसारमेयमय 2.
अश्वपूर्ण 3.
2. अश्वपृष्ठ 1. 3.
अश्वपोषक 4.
अश्वप्रथम 3.
अश्वप्रपदन und °पद्नीय, so zu lesen st. °पतन und °पतनीय.
अश्वमेधवत् 1. 1.
अश्वलक्षण 2.
अश्ववत् 1. 1.
1. अश्ववार 1. 1.
अश्ववाल्याली 5.
अश्ववृन्दिन् 3.
अश्वशफबुध्न 4.
अश्वशीर्ष 1.
अश्वसनि 1. 3.
अश्वस्त 6.
अश्वस्तोमीय 1. 3.
अश्वहन 1.
अश्वहविस् 1. 1.
अश्वानन und अश्वानृत 3.
अश्वामुख 1.

अश्वावत् 1. 1.
अश्वीय 1. 2.
अश्वोरस 5.
अषडक्षीण 1. 6.
अष्टक 1. 2.
अष्टकाश्राद्ध n. *das* Ashṭakâ-*Manenopfer* Sud. zu Âpast. Gṛhj. 22,2.
अष्टकिक (1) und अष्टकिन् 5.
अष्टकोण 1. 1.
अष्टका f. Ashṭakâ-*Kuh* Kauç. 19,28.
अष्टगव, अष्टपद् und अष्टपद् 1. 2.
अष्टपदमूलिका, अष्टब्रह्मविवेक u. अष्टभुजाष्टक 2.
*अष्टमकभूमि f. *eine der zum heiligen Wandel führenden Stufen* Mahâvj. 150.
अष्टमङ्गल्य und अष्टमकामत्व 2.
अष्टमकासिद्धिमय 1.
अष्टमासिक 4.
अष्टरात्रि 5.
अष्टलोक 1.
अष्टवंशवत् 2.
अष्टवार्षिक und अष्टशती 1.
अष्टश्लोकी 2.
अष्टसहस्रक 6.
अष्टस्तनी 1. 1.
अष्टस्थानपरीक्षा 2.
1. अष्टाङ्ग 1. Auch so v. a. *alle Vollkommenheiten* Divjâvad. 127,19. 398,28.
अष्टाङ्गनिघण्टु 2.
अष्टाङ्गप्रणिपात 1.
अष्टाङ्गहृदयदीपिका, °हृदयसंहिता und °हृदयसंग्रह 2.
अष्टाचत्वारिंशक 1. 1.
अष्टादंष्ट्र 1. 2.
अष्टादशता 1.
अष्टादशपुराणसार und अष्टादशर्च 2.
अष्टादशवक्र 1.
अष्टादशवक्रिका f. N. pr. eines mythischen Flusses Divjâvad. 106,29. 107,1.
अष्टादशवाद, °दशस्मृति, °स्मृतिसार und °दशार्थवाद 2.
अष्टादिश्, अष्टानिधन, अष्टाप्रूष् und अष्टामृड 1.
अष्टावधानिन् Adj. *der seine Aufmerksamkeit auf acht Dinge zugleich richten kann* Saddhântakâṇḍrodaja